सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 11 अंक : 351 | इंदौर, बुधवार 08 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

● राम मंदिर के बाद मप्र के

सिद्धपीठ बगलामुखी में भी चढ़ावे की चांदी और नगदी चोरी?

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

आगर मालवा, एजेंसी। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ, मध्य प्रदेश में आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में स्थित विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां गैर सरकारी समिति गठित कर चांदी, आभूषण और नगदी रूप में विभिन्न दानों की चोरी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं.

इस आरोप के चलते श्रद्धालुओं सहित प्रशासन के भी कान खड़े हो गये है. दरअसल,नलखेड़ा में मंदिर के रजत सौंदर्यीकरण के लिए मंदिर परिसर में एक गैर-शासकीय समिति द्वारा श्रद्धालुओं से नगद, स्वर्ण और रजत दान मिलने और उनके उपयोग में वित्तीय अनियमिताएं पाए जाने के आरोप लगे हैं. जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है. आगर मालवा की कलेक्टर प्रीति यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय संयुक्त जांच दल का गठन किया है.

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में भारत आ रहे LNG टैंकर पर ड्रोन से हमला, इंजन रूम में लगी आग

नई दिल्ली, (एजेंसी) स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बीते कुछ दिनों में स्थिति काफी बिगड़ गई है। एकबार फिर ईरान और अमेरिका के द्वारा इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाया जा रहा है। भारत आ रहा कतर का एक जहाज भी इसका शिकार बना है। इस जहाज पर एक संदिग्ध ड्रोन से हमला किया गया है। आपको बता दें कि यह जहाज एलएनजी से लदा हुआ है। समाचार एजेंसी एएनआई ने इसकी जानकारी दी है। एलएनजीसी अल रेकय्यात नाम का यह विशाल जहाज कतर के रास लफ्फान बंदरगाह से गुजरात के दहेज की ओर आ रहा था। इसी दौरान इसे निशाना बनाया गया। फिलहाल जो जनाकारी मिल रही है उसके मुताबिक, इस हवाई हमले के कारण जहाज को काफी नुकसान पहुंचा है। मिसाइल या ड्रोन के टकराने के तुरंत बाद जहाज के इंजन रूम में भीषण आग लग गई, जिसके कारण वहां से भारी धुआं निकलने लगा।

एमपी समेत चार राज्यों के बीच नर्मदा परियोजना का वर्षों पुराना विवाद खत्म

एकमुश्त समझौते पर लगी मुहर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के बीच सरदार सरोवर परियोजना की निर्माण लागत और नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण के तहत लंबित वित्तीय दावों को लेकर चला आ रहा वर्षों पुराना विवाद समाप्त हो गया है। मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल की मौजूदगी में चारों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एकमुश्त समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही परियोजना से जुड़े सभी लंबित वित्तीय मामलों का निपटारा हो गया।

निर्माण लागत और भुगतान को लेकर था विवाद

सरदार सरोवर परियोजना की निर्माण लागत में चारों राज्यों की हिस्सेदारी और भुगतान को लेकर लंबे समय से मतभेद बने हुए थे। अब सभी राज्यों ने एकमुश्त भुगतान के माध्यम से लंबित दावों और देयों का अंतिम समाधान करने पर सहमति जताई है। इससे वर्षों से चले आ रहे वित्तीय विवाद का स्थायी समाधान माना जा रहा है।

चारों मुख्यमंत्रियों ने किए समझौते पर हस्ताक्षर

समझौते पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान केंद्र और चारों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

सहकारी संघवाद की मिसाल बताया

अमित शाह ने इस समझौते को सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार राज्यों के बीच समन्वय बढ़ाकर लंबे समय से लंबित विवादों का समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल सुरक्षा और राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पानी का लाभ पूरे देश को मिलता है

अमित शाह ने कहा कि नर्मदा का पानी चाहे किसी भी राज्य में उपयोग हो, उसका लाभ अंततः देश के किसानों और नागरिकों को ही मिलता है। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों को राजनीतिक विवाद का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संपदा के रूप में देखा जाना चाहिए। किसी एक राज्य की समृद्धि का सकारात्मक असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ता है।

सरदार सरोवर परियोजना से बदली तस्वीर

उन्होंने कहा कि सरदार सरोवर परियोजना से मध्यप्रदेश, गुजरात और राजस्थान सहित कई क्षेत्रों में सिंचाई, पेयजल और बिजली की सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। विशेष रूप से राजस्थान के उन इलाकों में, जहां नर्मदा का पानी पहुंचा, वहां खेती, उत्पादन और किसानों की आर्थिक स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

जर्जर भवनों पर नगर निगम की कार्रवाई जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। लगातार हो रही बारिश के बीच संभावित हादसों को रोकने के लिए नगर निगम जर्जर भवनों के खिलाफ अभियान चला रहा है। मंगलवार को निगम की टीम ने जोन क्रमांक-12 में दो स्थानों पर कार्रवाई करते हुए खतरनाक भवनों के हिस्सों को हटाया।

भवन अधिकारी राहुल रघुवंशी ने बताया कि पहली कार्रवाई करीब एक हजार वर्गफीट क्षेत्रफल वाले एक जर्जर भवन पर की गई। इस भवन मालिक को 26 जून को पहला नोटिस जारी किया गया था। हाल ही में भवन का छज्जा गिरने से एक कार क्षतिग्रस्त होने की शिकायत मिली थी। निरीक्षण में भवन को खतरनाक पाए जाने के बाद मंगलवार को उसके जर्जर हिस्से को हटाने की कार्रवाई की गई। नगर निगम ने नंदलालपुरा स्थित सोमवंती समाज की भूमि पर बने पुराने और जर्जर निर्माण को भी हटाया। अधिकारियों के अनुसार इस भवन को वर्ष 2022-23 से लगातार नोटिस दिए जा रहे थे, लेकिन भवन की मरम्मत या सुरक्षा संबंधी कोई कार्य नहीं कराया गया। इसके बाद 14 जून को अंतिम नोटिस जारी किया गया था।

बारिश के मौसम में भवन के गिरने की आशंका को देखते हुए मंगलवार को निगम ने रिमूवल की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए दो थानों का पुलिस बल तैनात किया गया। वहीं निगम की दो से तीन रिमूवल टीमें, एक पोकलेन मशीन और दो जेसीबी की मदद से जर्जर हिस्सों को हटाया गया। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि शहर में चिन्हित जर्जर भवनों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि बारिश के दौरान किसी प्रकार की जनहानि या दुर्घटना से बचा जा सके।

वर्ष 2047 में विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा और भारत बनेगा विश्वगुरु : मंत्री श्री परमार

मंत्री श्री परमार, सांसद श्री पटेल, श्री लालवानी, कुलगुरु डॉ. सिंघई द्वारा छात्र-छात्राओं को उपाधियां वितरित की गई

- अतिथियों द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर इंदौर में नवनिर्मित सभागृह का लोकार्पण किया गया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से प्रगति और विकास के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा और भारत विश्व गुरु बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति भारतीयता से ओत-प्रौत है। इसमें हमारी संस्कृति, सभ्यता और परम्परा समाहित है। नई शिक्षा नीति में आध्यात्म और विज्ञान का अद्भूत समन्वय है और यह हमें आत्मनिर्भर बना रही है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार और शोध को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतवंशी लोग प्रकृति के पूजक है। हमारे यहाँ सूर्य से लेकर चन्द्रमा, पहाड़, नदी, वृक्ष, वनस्पति आदि की पूजा प्राचीन काल से की जाती रही है। इन सबका वैज्ञानिक आधार है। विशेषकर जनजाति समाज आज भी सूर्यास्त के बाद पेड़-पौधों और वनस्पतियों को स्पर्श नहीं करते हैं और नई फसल की पूजा करने के बाद ही उसका उपयोग करते हैं। यह संस्कार हमें प्रकृति के निकट लाता है और हमें प्रकृति के संरक्षण की सीख देता है। मंत्री श्री परमार खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या बाई होलकर विश्वविद्यालय इंदौर में जनजातीय अध्ययन शाला की प्रथम बैच का पाठ्यक्रम के नवनिर्मित सभागृह का लोकार्पण एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का पाठ्यक्रम पूर्णता समारोह में अपना मुख्य संबोधन दे रहे थे। इस अवसर पर सांसद श्री गजेन्द्र सिंह पटेल, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायक श्री गोलू शुक्ला, देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय इंदौर के कुलगुरू प्रो. डॉ. राकेश सिंघई, कुलसचिव श्री प्रज्जवल खरे विशेष रूप से उपस्थित थे।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि नवनिर्मित सभागृह का नाम महान अर्थशास्त्री चाणक्य के नाम पर रखा गया है। आचार्य चाणक्य महाज्ञानी और विद्वान थे। उन्होंने चन्द्रगुप्त जैसा कुशल शासक तैयार किया। उन्होंने आगे कहा कि भारत में बोधायन जैसे महान गणितज्ञ भी हुए और आर्यभट्ट जैसे महान वैज्ञानिक भी हुए। भारत में महापुरुषों की एक लम्बी श्रंखला हैं। लेकिन इसके बावजूद हमारे पाठ्यक्रमों में पाइथोगेरस जैसे शिक्षकों को महान बताया जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के बारे में यह गलत धारणा है कि वह गरीब है। सच्चाई यह है कि भारत ईसा के सैकड़ों वर्ष पूर्व समृद्धशाली था। इसी कारण भारत को लूटने के लिये सिकंदर जैसे शासक आये। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा।

सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ बधाई देते हुए कहा कि वे समाज के बीच जाकर बेहतर कार्य करें, और सुयश प्राप्त करें। वर्तमान दौर रील बनाने का है। ऐसे में नई पीढ़ी को तय करना है कि उसे रील बनाना है या इतिहास बनाना है। यदि आपको इतिहास बनाना है तो उसके लिये अभी से अपना लक्ष्य तय करना होगा। बिना लक्ष्य के कुछ भी संभव नहीं है। यदि लक्ष्य स्पष्ट है तो दुनिया की हर चीज आपके पास होगी। उन्होंने आगे कहा कि जनजातीय समुदाय अपनी जड़ों को मजबूत करें और आगे बढ़े। जनजातीय समुदाय का इतिहास बड़ा गौरवशाली रहा है और समय विकसित भारत के सपने को पूरा करने का है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्म जैसे महान व्यक्तित्व और आदर्श हमारे सामने है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय आज भी अपनी परम्परा और संस्कृति को बचाये हुए है, जिससे हम सभी को भी बहुत कुछ सीखना चाहिये। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर जनजातीय अध्ययन केंद्र में मील का पत्थर साबित होगा।

कार्यक्रम में सांसद श्री शंकर लालवानी ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि जीवन में कोई भी कार्य छोटा और बड़ा नहीं होता। हमें जो भी कार्य मिले उसे पूरे उत्साह और लगन के साथ करना चाहिए। उन्होंने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि लगातार परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

कुलगुरू प्रो. सिंघई ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल एक उपाधि नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। विश्वविद्यालय आपको ज्ञान देता है, लेकिन उस ज्ञान को जीवन में सार्थक करना आपका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने उच्च शिक्षा को एक नई दिशा प्रदान की है। आज विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल पाठ्यक्रम संचालित करने तक सीमित नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हमें ऐसे युवा तैयार करने हैं जो बहुविषयक सोच रखते हों, अनुसंधान में उत्कृष्ट हों, नवाचार कर सकें, प्रौद्योगिकी का रचनात्मक उपयोग करें और समाज की वास्तविक समस्याओं का समाधान खोज सकें। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर इसी दृष्टि के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।

इस अवसर पर मंत्री श्री परमार एवं अतिथियों ने जनजातीय अध्ययनशाला और वाणिज्य अध्ययन शाला के सैकड़ों छात्र-छात्राओं को उपाधियां प्रदान की। साथ ही सामूहिक चित्र भी खिचवायें। मंत्री श्री परमार ने संस्थान परिसर में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में डॉ. सखाराम मुजाल्दे, डॉ. गीता नेमा, श्री हर्ष चौहान सहित बड़ी संख्या में शिक्षाविद्, प्रोफेसर, छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

मंत्री तुलसीराम सिलावट ने मुंडला जेतकरण पुल निर्माण को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग तत्काल बनाने के दिए निर्देश

जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया संयुक्त रूप से स्थल का निरीक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। इंदौर जिले के ग्राम मुंडला जेतकरण में निर्माणाधीन पुलिया के संबंध में प्रकाशित समाचार को जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गंभीरता से लिया। उन्होंने ग्रामीणों की सुरक्षा एवं आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए तत्काल जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया (कान्हा पटेल) के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के दल को मौके पर भेजा। मंत्री श्री सिलावट के निर्देशानुसार सांवेर विधानसभा एवं जनपद पंचायत इंदौर अंतर्गत ग्राम मुंडला जेतकरण में लगभग 2.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुलिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनपद अध्यक्ष श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं अन्य नागरिकों के सुरक्षित आवागमन के लिए तत्काल वैकल्पिक मार्ग तैयार किया जाए, ताकि वर्षाकाल में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं गति दोनों सुनिश्चित की जाएं। पुलिया का कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश के दौरान सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं तथा ग्रामीणों की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। निरीक्षण के दौरान श्री कमल पटेल, श्री नीरज जागीरदार, खुडेल खुर्द के सरपंच श्री धर्मेंद्र, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारी श्री मंडलोई, जनपद पंचायत इंदौर की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रियंका टैगोर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आयुर्वेद चिकित्सा सुविधा बढ़ाने के लिए इंदौर में 50 बिस्तरीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्रारंभ किया जाये : मंत्री श्री परमार

- मंत्री श्री परमार की अध्यक्षता में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय इन्दौर की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदरसिंह परमार की अध्यक्षता में शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय लोकमान्य नगर इन्दौर की साधारण सभा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, संस्थान के प्राचार्य श्री अजीतपाल सिंह सहित सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मंत्री श्री परमार ने शासकीय स्वशासी अष्टांग आयुर्वेद महाविद्यालय द्वारा चलायी जा रही विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लिया और संपूर्ण परिसर का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को चिकित्सा सेवा के माध्यम से मरीजों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महाविद्यालय में स्नातकोत्तर शिक्षण हेतु शुरू की गई 100 सीटों के अनुपात में टीचिंग फेकल्टी बढ़ाने हेतु निर्देश दिए।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि चिकित्सा सेवा के कार्य परिणाम परख होना चाहिए और जनता में उनका ठीक प्रकार से प्रचार-प्रसार किया जाये। उन्होंने कहा कि जनजातीय ग्रामीण क्षेत्रों में पाई जाने वाली औषधियों पर शोध कार्य की आवश्यकता है, जिस पर विशेष ध्यान दिया जाये। साथ ही इन्दौर शहर में निजी औषधि निर्माता कम्पनियों की औषधियों की जांच के लिए महाविद्यालय में टेस्टिंग लैब स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने इन्दौर शहर में आयुर्वेद चिकित्सा सुविधा बढ़ाने के लिए 50 बिस्तरीय सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल प्रारंभ करने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयुष अधिकारी गांव में लोगों का प्रकृति परीक्षण करके स्वस्थ रहने के तरीके बताये तथा रसोई में स्थित मसालों का औषधीय प्रयोग करना भी बतायें।

इस अवसर पर साधारण सभा के सदस्यों द्वारा अस्पताल में 6.50 लाख कीमत की ओ.टी.ो. एनालाईजर का उद्घाटन किया गया, जिसमें 40 रोगियों का रक्त परीक्षण एक साथ किया जा सकेगा। बैठक में विगत साधारण सभा बैठक की सम्पुष्टि एवं संस्था का प्रगति प्रतिवेदन के साथ संस्था की वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में सम्पन्न कार्यकारिणी समिति की बैठक का अनुमोदन किया गया। साथ ही वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु सम्पन्न वित्त समिति एवं कार्यकारिणी समिति में पारित कार्यवाही का अनुमोदन किया गया तथा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय हेतु लगभग 20 एकड़ भूमि, जिसमें अत्याधुनिक स्नातकोत्तर शिक्षण केन्द्र, ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी, एनिमल हाउस, स्टॉफ क्वार्टर, फार्मेसी, नक्षत्र गार्डन, वनौषधि उद्यान का निर्माण हो सके, इस हेतु भूमि आवंटन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। मंत्री श्री परमार ने महाविद्यालय के लिए भूमि पर समस्त सुविधाओं सहित निर्माण के लिए सहमति प्रदान की गई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

बैठक में संस्था का प्रतिवेदन प्राचार्य डॉ. अजीतपाल सिंह चौहान के द्वारा प्रस्तुत किया गया। शुरूआत में मंत्री जी के द्वारा औषधीय पौधा रोपण किया गया। बैठक में अष्टांग शोध ऑनलाईन जनरल प्रकाशन का उद्घाटन भी किया गया।

जनसुनवाई में जरूरतमंदों को मिली राहत

दिव्यांग बालिका की शिक्षा की राह हुई आसान

इलाज से लेकर शिक्षा तक प्रशासन ने बढ़ाया मदद का हाथ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार आयोजित हो रही साप्ताहिक जनसुनवाई आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरी है। जनसुनवाई में पहुंचे विभिन्न आवेदकों की समस्याओं को कलेक्टर शिवम वर्मा ने संवेदनशीलता के साथ सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए त्वरित सहायता सुनिश्चित की।

जनसुनवाई में पहुंची दिव्यांग छात्रा सुश्री पूजा ने बताया कि उन्होंने बीएसडब्ल्यू में 9.8 सीजीपीए के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है तथा वर्तमान में एमएसडब्ल्यू की पढ़ाई कर रही हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा जारी रखने में आर्थिक कठिनाइयों की जानकारी कलेक्टर श्री वर्मा को दी। छात्रा की प्रतिभा और शिक्षा के प्रति समर्पण को देखते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने उसकी उच्च शिक्षा में सहयोग के लिए 45 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए तथा उसके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

जनसुनवाई में दिव्यांग दंपती अपनी पुत्री वैष्णवी रायकवार के साथ पहुंचे। उन्होंने पिछली जनसुनवाई में प्रशासन द्वारा मिली सहायता के लिए कलेक्टर शिवम वर्मा का आभार व्यक्त किया। दंपती ने अपनी पुत्री के भविष्य एवं शिक्षा के लिए सहयोग का अनुरोध किया, जिस पर कलेक्टर श्री वर्मा ने आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के त्वरित निर्देश दिए। सहायता मिलने पर दंपती ने जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रशासन के सहयोग से उन्हें अपनी बेटी के भविष्य को लेकर नया विश्वास मिला है।

एक अन्य प्रकरण में सुधीर माधवानी जनसुनवाई में पहुंचे और उन्होंने बताया कि वे थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता एवं उनके उपचार की व्यवस्था में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उपचार व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा मिल सके। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अधिकारियों ने आमजन से प्रत्यक्ष संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित 300 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर कलेक्टर श्री वर्मा के निर्देशन में संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कई आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप में प्लॉट, संपत्ति, पारिवारिक विवाद, चिकित्सा सहायता और रोजगार से जुड़े प्रकरण रहे। जनसुनवाई में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, रोशन राय, रिंकेश वैश्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने जनसुनवाई में भाग लेकर नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूति के साथ सुना और उनका निराकरण किया।

● डिजिटल दुनिया में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव

साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत एमपी ट्रांसको में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के मुख्यालय में 'साइबर सिक्योर 2026' अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साइबर पुलिस के विशेषज्ञों ने पावर सेक्टर में बढ़ते साइबर खतरों, साइबर अपराधों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।

उप पुलिस अधीक्षक राज्य साइबर पुलिस श्रीमती उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने एम पी ट्रांसको के कार्मिकों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, मोबाइल एप्स के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड तथा साइबर ठगी के नए तरीकों से बचाव के बारे में प्रशिक्षित किया। साथ ही संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ई-मेल और डिजिटल लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी प्रकाश डाला गया।

साइबर विशेषज्ञ एवं सब-इंस्पेक्टर श्री मोहित पांडे ने पावर सेक्टर पर बढ़ते साइबर खतरों की चर्चा करते हुए साइबर सुरक्षा को ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया तथा साइबर फ्रॉड की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। वहीं साइबर विशेषज्ञ श्री राज शर्मा ने एआई युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, फर्जी ई-मेल से बचाव, प्रमाणित वेबसाइटों के उपयोग और संचार साथी ऐप की उपयोगिता पर जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में एसएलडीसी के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री राजेश गुप्ता, एमपी ट्रांसको के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कल्पना धुर्वे ने किया। इस अवसर पर उपस्थित लगभग 150 कार्मिकों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

एक निवेदन

यदि आप साहस और निर्भीकता से खोजी पत्रकार के रूप में कार्य करना चाहते है और अपने आसपास के भ्रष्टचार/अपराध/अव्यवस्थाओ को उजागर करना चाहते है ।

तो आइए आप हमारे वेबपोर्टल और यूट्यूब चैनल के साथ क्राइम रिपोर्टर के रूप में कार्य करे।

कृपया हमारी वेबसाइट पर जाकर खुद को रजिस्टर्ड करे ।

www.detectivegroupreport.com

या फिर हमें आपका पूरा बॉयोडाटा मेल करे

detectivegroupreport@gmail.com

(आपके सुझाव/लेख /न्यूज़ और सूचना का सदैव स्वागत है)

● खाद्य सुरक्षा प्रशासन इंदौर द्वारा कलेक्टर हेल्पलाइन एवं FoSCoS पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर की गई त्वरित कार्रवाई

विद्यालय एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर लिये गये 17 खाद्य नमूने

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार प्रदेशभर में खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के विरुद्ध सतत कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए विद्यालय एवं विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान कुल 4 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर 17 खाद्य नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए।

कलेक्टर हेल्पलाइन 0731-181 पर प्राप्त एक अभिभावक की शिकायत के आधार पर वेदांत इंटरनेशनल स्कूल, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की मेस से काला चना, तैयार चावल, तैयार मंचूरियन एवं काला नमक के कुल 04 नमूने जांच हेतु लिए गए।

निरीक्षण में पाया गया कि छात्रों को एमएसजी (MSG) युक्त मंचूरियन परोसा जा रहा था। किचन में सड़े हुए आलू पाए गए, जिन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। खाद्य हैंडलर्स के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं थे, जबकि भोजन निर्माण में उपयोग किए जाने वाले पानी की जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं पाई गई। संबंधित विद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया तथा पानी की जांच रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर शिकायतकर्ता से प्राप्त जानकारी अनुसार प्राजी दे कुलचे, न्यू प्लासिया इंदौर का निरीक्षण किया गया। मौके से राजमा, तैयार छोले की सब्जी एवं मैदा के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं। की गई कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता को दी गई, जिस पर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त की।

FoSCoS पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर पाकशाला – द आंध्रा किचन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान तंदूरी चिकन, ग्रेवी एवं डोसा बैटर के कुल 03 नमूने जांच हेतु लिए गए। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जा रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत के आधार पर जैन श्री रेस्टोरेंट, केलोद हाला, इंडस सैटेलाइट रेलवे ब्रिज के पास, इंदौर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान परिसर में साफ-सफाई संतोषजनक नहीं पाई गई। इस संबंध में सुधार सूचना पत्र जारी करने हेतु प्रकरण अभिहित अधिकारी को प्रस्तुत किया गया। मौके से ग्राहकों को परोसी जा रही दाल, उपयोग की जा रही ग्रेवी, मूंगफली तेल, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर, नमक एवं तैयार नूडल्स के कुल 07 नमूने जांच हेतु लिए गए। प्रतिष्ठान संचालक को परिसर में स्वच्छता बनाए रखने एवं खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संग्रहित सभी 17 खाद्य नमूनों को जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजा जा रहा है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि खाद्य सुरक्षा से संबंधित शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। विद्यालयों, होटल-रेस्टोरेंट एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा तथा जहां भी खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया जाएगा।

मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी के संकल्प से मप्र बनेगा देश का अग्रणी राज्य : मुख्यमंत्री

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर मध्यप्रदेश के जागरूक नागरिकों के अमूल्य और अनुकरणीय सहयोग से राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। पर्यावरण संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में राज्य सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' को प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह नवीन नियम केवल नगरीय निकायों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें राज्य के सभी शासकीय विभागों में समान रूप से लागू किया गया है। इसके अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों से निकलने वाले कचरे को भी समेकित कर वैज्ञानिक पद्धति से प्रबंधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दूरगामी नियम का सफल क्रियान्वयन केवल शासकीय प्रयासों से संभव नहीं है, इसके लिए राज्य के प्रत्येक नागरिक, संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान को आगे आकर अपनी महती भूमिका निभानी होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य को रेखांकित करते हुए प्रदेशवासियों से अपनी दैनिक दिनचर्या में विशेष आदतों को सम्मिलित करने के लिए कहा कि पर्यावरण को अक्षुण्ण रखने के लिए हमें यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम किसी भी प्रकार का कचरा न तो खुले में फेंकेंगे और न ही उसे जलाएंगे। अपने घर, गली, मोहल्ले और नगर को कचरा मुक्त बनाने के लिए यह आवश्यक है कि नागरिक अपने घरों से निकलने वाले अपशिष्ट को चार श्रेणियों- 'गीला, सूखा, सैनिटरी एवं स्पेशल केयर' में अनिवार्य रूप से अलग-अलग करके ही अधिकृत कचरा संग्रहण वाहन को सौंपें।

कचरे को संपदा में बदलने और पुनर्चक्रण के सिद्धांतों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से गृह-स्तर पर जैविक खाद निर्माण (होम कम्पोस्टिंग) अपनाने की अपील की है। उन्होंने आह्वान किया कि पुराने कपड़े, पुस्तकें और अन्य उपयोगी वस्तुओं को फेंकने के बजाय स्थानीय 'रिड्यूस, रियूस, रिसाईकल' (आरआरआर) केंद्रों में जमा करें। इसके साथ ही, पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली विकसित करने के लिए बाजार जाते समय हमेशा अपना कपड़े का झोला और पानी की व्यक्तिगत बोतल साथ रखने की आदत डालें, जिससे एकल-उपयोग प्लास्टिक और अपशिष्ट की उत्पत्ति को प्राथमिक स्तर पर ही न्यूनतम किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य के समस्त नगरीय निकायों को प्रदेश के प्रत्येक घर, व्यावसायिक दुकान और झुग्गी बस्तियों से नियमित, समयबद्ध और निर्बाध रूप से कचरे का संग्रहण करने के निर्देश दिए। इस जन-सरोकार के कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता हमारे सामूहिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संतुलन और जीवन की समग्र गुणवत्ता का आधार स्तंभ है। हम आज यदि पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ कार्य करेंगे, तभी अपनी भावी पीढ़ी को एक स्वच्छ, समृद्ध और सुरक्षित मध्यप्रदेश सौंप पाएंगे। उन्होंने आह्वान किया कि आइए, हम सब मिलकर 'मेरा कचरा - मेरी जिम्मेदारी' के मंत्र को आत्मसात करें और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के सफल क्रियान्वयन में अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज कराकर मध्यप्रदेश को देश का सबसे स्वच्छ, सुंदर और संवहनीय (सस्टेनेबल) राज्य बनाएं।

गुम एवं चोरी हुए मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। 24 जून 2026 से प्रारंभ इस विशेष अभियान का उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करना है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में स्कूलों, महाविद्यालयों, बैंकों, अस्पतालों, शासकीय एवं निजी संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आमजन को संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने, डिजिटल भुगतान के दौरान सतर्कता बरतने, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग के माध्यम से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने का कार्य भी निरंतर कर रही है।

सीईआईआर पोर्टल, तकनीकी विश्लेषण तथा विभिन्न जिलों की साइबर टीमों के समन्वित प्रयासों से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए जा रहे हैं, जिससे आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।13 जूनसे अब तक प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं जीआरपी इकाइयों द्वारा कुल 2,094 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोनबरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए हैं। इनमें 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान प्रारंभ होने के बाद अब तक प्रदेश के 12 जिलों एवं 02 जीआरपी में कुल 1461 गुम मोबाइल फोनउनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए गए हैं। इनमें भिंड ने 325, देवास ने 210,शाजापुर ने 179, नरसिंहपुर ने 175, छतरपुर ने 149,रायसेन ने 149,बड़वानी ने 129, भोपाल जीआरपी ने 124, खंडवा ने 123, खरगोन ने 100, बुरहानपुर ने 100,झाबुआ ने 80, सिंगरौली ने 70, गुना ने 65,भोपाल ग्रामीण ने 53, उज्जैन ने 40,कटनी ने 10,जबलपुर जीआरपी ने 7, इंदौर जीआरपी ने 5, सिवनी ने 1 तथा छतरपुर ने 1 मोबाइल शामिल है।

कुत्ते से बचने में कुएं में गिरे 13 हिरण, मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शुजालपुर, एजेंसी। अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में एक खेत के कुएं से 13 हिरणों और एक आवारा कुत्ता के शव मिले हैं। रविवार को दुर्गंध आने पर खेत मालिक के परिजनों ने कुएं में झांककर देखा तो बड़ी संख्या में सड़े-गले शव दिखाई दिए।

सूचना पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। सोमवार को पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद सभी शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि कुत्ते से बचने के दौरान हिरण कुएं में गिर गए। खरदौनकलां निवासी कृष्णाबाई पति राजेश पाटीदार के परिजन

रविवार को खेत में कीटनाशक का छिड़काव करने पहुंचे थे। इस दौरान कुएं से तेज दुर्गंध आने पर उन्होंने नीचे देखा तो 13 हिरणों और एक कुत्ते के शव पड़े मिले। शवों की हालत देखकर आशंका जताई जा रही है कि घटना एक-दो दिन पहले हुई होगी। खेत मालिक ने इसकी सूचना सरपंच को दी, जिसके बाद पुलिस और वन विभाग को मौके पर बुलाया गया। ग्रामीणों के अनुसार, कुएं पर सुरक्षा के लिए मुंडेर बनी हुई थी, लेकिन उसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला। आशंका है कि हिरण उसी क्षतिग्रस्त हिस्से से कुएं में गिरे होंगे। घटना का स्पष्ट समय अभी सामने नहीं आया है। वन विभाग की प्रारंभिक जांच के अनुसार, हिरणों का झुंड किसी आवारा श्वान से बचने के लिए तेजी से भाग रहा था। इसी दौरान सभी हिरण कुएं में गिर गए। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी कुएं में गिर गया और उसकी मौत हो गई। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं पर सुरक्षा के लिए मुंडेर बनी हुई थी, लेकिन उसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त मिला। आशंका है कि दौड़ते समय हिरण उसी टूटे हिस्से से कुएं में गिर गए। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।

अब नियुक्ति का राजपत्र में प्रकाशन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मप्र के नगरीय प्रशासन विभाग ने नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति की है। तीन महीने पहले 29 मार्च को 46 नगर पालिका परिषदों में करीब 276 एल्डरमैन नियुक्त किए गए थे। 120 नगर परिषदो में 480 एल्डरमैन यानी मनोनीत पार्षद नियुक्त किए गए थे। अब इनकी नियुक्ति का राजपत्र में प्रकाशन किया गया है। सागर रीवा शहडोल, कटनी, उमरिया, डिंडोरी, नरसिंहपुर, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुरना, नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल, बुरहानपुर, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, देवास, रतलाम, मंदसौर, नीमच इन जिलों की कुल 120 नगर परिषदों में चार-चार एल्डमैन नियुक्त किए गए थे।

आरक्षण मामले की सुनवाई टली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

जबलपुर, एजेंसी। मध्यप्रदेश में प्रमोशन में आरक्षण को लेकर लंबित मामले में मंगलवार को एक बार फिर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने महाधिवक्ता की अनुपलब्धता का हवाला देते हुए सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया, जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई तय करने के संकेत दिए। सुनवाई के दौरान सपाक्स (सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग कर्मचारी संस्था) की ओर से मामले का शीघ्र निराकरण करने की मांग की गई। संस्था ने अदालत से आग्रह किया कि अंतिम फैसला आने तक राज्य सरकार को पदोन्नति (प्रमोशन) के आदेश जारी करने से रोका जाए।

भोपाल समेत 29 जिलों में तेज बारिश

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश में जुलाई की शुरुआत के साथ ही मानसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है। 9 घंटे के भीतर 29 जिलों में तेज बारिश हुई। खजुराहो में नेशनल हाईवे पर करीब 3 फीट तक पानी भर गया, जिससे आवागमन प्रभावित रहा। मौसम विभाग के अनुसार, सबसे ज्यादा बारिश खजुराहो में करीब पौने 2 इंच दर्ज की गई। धार में डेढ़ इंच से ज्यादा, राजगढ़ में सवा इंच, रतलाम और उज्जैन में पौन इंच, जबकि भोपाल, सागर और खरगोन में आधा इंच के आसपास बारिश हुई।

संपादकीय

खाकी बनेगी देश की पुलिस की साझा पहचान

प्रधानमंत्री की ओर से दिए गए कंसेप्ट 'वन नेशन, वन यूनिफॉर्म' के तहत देश में पुलिस की वर्दी कैसी हो, इसका फैसला हो गया है। सूत्रों का कहना है कि सभी राज्यों की पुलिस की वर्दी खाकी रंग की होगी। सफेद, नीला या अन्य कोई और रंग नहीं, बल्कि खाकी ही पुलिस की पहचान होगा। खाकी में आने वाले कई तरह के रंगों को न रखते हुए इसमें एक खास रंग और डिजाइन तय किया जाएगा ताकि तमाम पुलिसकर्मी उसी तरह के रंग और डिजाइन वाली खाकी वर्दी में दिखें। इसके लिए खाकी का एक रंग और पैटर्न तय किया जा रहा है जो देश में सभी राज्यों के पुलिसकर्मियों के लिए लागू होगा। प्रधानमंत्री ने देश की पुलिस के लिए 'एक देश, एक वर्दी' वाला कंसेप्ट 28 अक्टूबर 2022 को सामने रखा था। उन्होंने कहा था कि इसे थोपना नहीं चाहिए, बल्कि इस पर विचार की जरुरत है। इसके बाद गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों से पुलिस वर्दी का डेटा मांगना शुरु किया। गृह मंत्रालय के अधीन पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए काम करने वाले ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने इस पर काम शुरु कर दिया था। बीपीआरएंडडी ने वाइट, ब्लू, ब्लैक और अन्य कई रंगों की वर्दी पर राज्यों से विचार किया पर खाकी पर ही फैसला हुआ। तय किया गया कि पुलिस की वर्दी का अन्य रंग नहीं होना चाहिए क्योंकि और सारे रंगों की वर्दी कोई न कोई फोर्स इस्तेमाल कर रही है। कोलकाता में पुलिस की वर्दी सफेद हुआ करती थी। वहां भी इसमें बदलाव हो रहा है। खाकी से पुलिस की पहचान बनती है। इसी वजह से फैसला किया गया है कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु समेत पूरे देश में पुलिस की वर्दी का रंग खाकी ही रहेगा।

ज्ञान-विज्ञान

● सिर्फ तेज हवा कसूरवार नहीं!

बारिश आते ही क्यों ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं भारी-भरकम पेड़? चौंका देगी वजह

बारिश की बूंदें जब राहत बनकर बरसती हैं, तो कोई नहीं सोचता कि सड़क किनारे छांव देने वाला पेड़ अचानक किसी की मौत का कारण भी बन सकता है! मानसून की भारी बारिश के बीच बीते एक हफ्ते में तीन जिंदगियां जिनमें एक 11 साल का बच्चा भी शामिल था पेड़ गिरने की वजह से हमेशा के लिए खत्म हो गईं. बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, मात्र एक ही दिन में 142 जगहों पर पेड़ या उनकी शाखाएं टूटकर गिरीं. यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है. आखिर क्यों हमारे शहरों के रक्षक कहे जाने वाले ये पेड़ अचानक बारिश हवा आते ही गिरने लगते हैं? क्या इसके पीछे सिर्फ हवा ही कारण है? आइए जानते हैं...

मानसून में पेड़ों का उखड़ना एक ऐसी आपदा बनकर उभरा है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है. मुंबई में लगातार जारी बारिश के बीच अब तक पेड़ गिरने की सैकड़ों घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं. इन हादसों में कई गाड़ियां मलबे में तब्दील हो गईं और कई सड़कें जाम हो गईं, जो यह साफ दिखाता है कि खराब मौसम में ये पेड़ कितने खतरनाक बन चुके हैं.

● तो क्या सिर्फ तेज हवाएं गिरा रही हैं पेड़?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि तेज आंधी के कारण से पेड़ गिरते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि असल कहानी कुछ और ही है. स्वस्थ और मजबूत पेड़ सिर्फ हवा के झोंकों से कभी नहीं गिरते. पेड़ असल में तब उखड़ते हैं जब उनकी जड़ें या तने पहले से ही कमजोर हो चुके हों. लगातार होने वाली बारिश से जमीन की मिट्टी पूरी तरह पानी सोख लेती है और दलदल जैसा रूप ले लेती है.

इससे जड़ों पर मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है. ऐसे में जब तेज हवाएं पेड़ के ऊपरी हिस्से से टकराती हैं, तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ का वजन नहीं संभाल पाती और पूरा का पूरा पेड़ जड़ समेत उखड़ जाता है. ऊंचे पेड़ों के साथ यह खतरा और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी लंबाई के कारण जड़ों पर प्रेशर कहीं ज्यादा बढ़ जाता है.

● शहरीकरण बना सबसे बड़ा विलेन

पेड़ों के गिरने के पीछे कई कारण हैं, इनमें एक शहरीकरण भी है. शहरों में कंक्रीट का जाल, बिना प्लानिंग के निर्माण कार्य, सड़कों को चौड़ा करना, केबल और पाइपलाइनों के लिए की जाने वाली खुदाई और फुटपाथों का कंक्रीटीकरण पेड़ों की जड़ों को बुरी तरह डैमेज कर रहा है. फुटपाथों पर कंक्रीट बिछने के कारण मिट्टी तक ऑक्सीजन और पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे पेड़ अंदर ही अंदर खोखले और कमजोर हो रहे हैं.

● भारतीय शहरों में क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

भारत के तेजी से बढ़ते शहर आज पेड़ों के लिए खतरा बन चुके हैं. सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को कंक्रीट के छोटे-छोटे गड्ढों में कैद कर दिया गया है, जिससे उनकी जड़ें फैल नहीं पातीं. बिना फैली जड़ों के ये पेड़ भारी तूफानों को झेलने में शक्तिशाली नहीं हो पाते हैं. दूसरी तरफ, क्लाइमेट चेंज के कारण अब कम समय में बहुत भारी बारिश और बेहद तेज हवाएं चलने लगी हैं. जब ये खतरनाक मौसम और पहले से कमजोर हो चुके पेड़ आपस में मिलते हैं, तो तबाही का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है.

● क्या है इसका समाधान?

पेड़ गिरने से न सिर्फ इंसानी जान जाती है, बल्कि ट्रैफिक जाम होता है, बिजली की लाइनें टूटती हैं और इमरजेंसी सर्विस भी प्रभावित होती है. वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका उपाय पुराने पेड़ों को काटना नहीं है. इसके बजाय, शहरों में पेड़ों का साइंटिफिक मैनेजमेंट करना होगा. इसके तहत पेड़ों की नियमित हेल्थ चेकिंग, वैज्ञानिक तरीके से छंटाई, कंस्ट्रक्शन के दौरान जड़ों का बचाव और पेड़ों को बढ़ने के लिए पर्याप्त मिट्टी और जगह देना बेहद जरूरी है.

Uttarpradesh

राम मंदिर दान चोरी के नए राज से उठेगा पर्दा पुलिस रिमांड पर लिए गए तीन आरोपी

अयोध्या, (एजेंसी) अयोध्या राम मंदिर दान चोरी के मामले में पुलिस को तीन आरोपियों की कस्टडी रिमांड मिल गई है। पुलिस इन आरोपियों से पहले ही जेल में पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ के आधार पर मिली कई जानकारियों और दान चोरी से जुड़ी कड़ियों को पुलिस अब मिलाने की कोशिश करेगी। उम्मीद है कि इससे दान चोरी के कई राज से पर्दा उठ सकेगा। रुपयों को कहां-कहां खपाया गया, कैसे चुराया गया और कहां छिपाया गया, सबकुछ बाहर आने की उम्मीद है। आरोपियों की रिमांड मांगते समय भी पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपियों से सबूतों की बरामदगी करनी है।

राम मंदिर दान चोरी का मामला सामने आने के बाद यूपी सरकार ने एसआईटी की गठन किया था। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट और निर्देश पर ही दान चोरी के मामले में आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया गया था। अदालत के निर्देश पर इन आरोपियों से बारी-बारी से पुलिस ने जेल में जाकर भी पूछताछ की थी। एक आरोपी अविनाश शुक्ला को रिमांड पर लेकर कार समेत कई बरामदगी की थी। उसी तरह तीन अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा और करुणेश पाण्डेय की सात दिनों की पुलिस रिमांड अदालत से मांगी गई थी।

विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण की अदालत ने पुलिस की अपील पर तीनों आरोपियों की 40 घंटे की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली थी। मंगलवार को हुई

New Delhi

सड़कें जलमग्न, उखड़े पेड़ और ट्रैफिक ठप...गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम, दिल्ली-NCR में बारिश से बुरा हाल

नई दिल्ली, (एजेंसी) मॉनसून की पहली ही तेज बारिश ने दिल्ली-एनसीआर का हाल बुरा कर दिया है. मंगलवार को तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से सड़कें जलमग्न हो गईं और कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए. वहीं, दिल्ली-एनसीआर में जलभराव की वजह से यातायात पर असर पड़ा. लोग घंटों ट्रैफिक जाम में फंसे रहे. वहीं, गुरुग्राम में NH 48 के पास सड़क धंसने से यातायात प्रभावित हुआ. मौसम विभाग (IMD) की ओर से जारी बारिश के अलर्ट के बीच गुरुग्राम में कई कंपनियों ने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने की सलाह दी है. मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के विशेषज्ञ महेश पलावत के अनुसार, उत्तरी पाकिस्तान में पश्चिमी विक्षोभ, मध्य प्रदेश में कम दबाव का क्षेत्र और अरब सागर से नम हवाओं के मिलने से बारिश हुई है. अगले दो दिनों में बारिश की तीव्रता कम हो जाएगी और 12 जुलाई के आसपास मौसम का ट्रफ उत्तरी दिशा में जाएगा. इसके बाद दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में मॉनसून ब्रेक जैसी स्थिति रह सकती है. मौसम विभाग (IMD) ने बुधवार को भी गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है. न्यूनतम तापमान 22 डिग्री और अधिकतम 33 डिग्री रहने की संभावना है. गुरुग्राम, जिसे मिलेनियम सिटी भी कहा जाता है, बारिश में फिर से डूब गया. हीरो होंडा चौक, राजीव चौक, सोहना रोड समेत कई अन्य इलाकों में इतना पानी भर गया कि सड़कें दरिया जैसी दिखाई देने लगीं.

Jammu & Kashmir

शोपियां एनकाउंटर में मारा गया लश्कर का टॉप आतंकी जाकिर गनई

जम्मू, (एजेंसी) जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है. चार दिन पहले शुरू हुए एनकाउंटर के बाद बुधवार को लश्कर-ए-तैयबा के टॉप कमांडर जाकिर गनई का शव हथियार के साथ बरामद किया गया. सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं. शनिवार को दो आतंकवादी CCTV में दिखे थे और उसी दिन मुठभेड़ शुरू हुई थी. आखिरकार, चार दिन बाद शोपियां के चानपोरा गांव से मारे गए आतंकवादी का शव बरामद किया गया. अब यह कन्फर्म हो गया है कि शोपियां मुठभेड़ में लश्कर का टॉप कमांडर जाकिर गनाई मारा गया. आज शोपियां से उसका शव बरामद किया गया. शोपियां में मुठभेड़ के 4 दिन बाद मारे गए एक आतंकवादी का शव हथियार के साथ बरामद किया गया है. शनिवार को दो आतंकवादी CCTV में दिखे थे और उसी दिन मुठभेड़ शुरू हुई थी. जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों ने रविवार को रात भर रुके रहने के बाद एक बड़ा आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन फिर से शुरू किया, क्योंकि लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के दो आतंकवादी घने बाग के अंदर छिपे हुए थे. ऑपरेशन का यह दूसरा दिन था.

Paschim bangal

बरुईपुर रेप-मर्डर केस का आरोपी एनकाउंटर में ढेर, 12 साल की बच्ची से की थी दरिंदगी

कोलकाता, (एजेंसी) बंगाल के बरुईपुर रेप मामले के मुख्य आरोपी प्रबाश मंडल को बुधवार तड़के पुलिस एनकाउंटर में मार गिराया गया है. बताया जा रहा है कि पुलिस टीम मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात को आरोपी को घटनास्थल पर क्राइम सीन रीक्रिएशन के लिए ले गई थी, इसी दौरान आरोपी ने अचानक एक पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर पुलिस टीम पर एक राउंड गोली चला दी और मौके से भागने की कोशिश की. जवाबी कार्रवाई में पुलिस की ओर से की गई फायरिंग के दौरान आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत बारूईपुर अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस के अनुसार, मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 12:45 बजे बरुईपुर थाना प्रकरण संख्या 1350/26 के जांच अधिकारी ने

अपनी टीम के साथ आरोपी प्रभास मंडल को घटनास्थल पर क्राइम सीन रीक्रिएशन के लिए सुरज्यापुर हाट लेकर पहुंची थी. पुलिस वहां अपराध के घटनाक्रम का री-क्रिएशन शुरू ही करने वाली थी कि तभी शातिर आरोपी प्रभास ने ऑन-ड्यूटी पुलिसकर्मी की गन पर झपट्टा मारकर उसे छीन लिया. पुलिस का कहना है कि हथियार छीनने के तुरंत बाद आरोपी प्रभास मंडल ने पुलिस टीम को निशाना बनाते हुए एक राउंड फायरिंग कर दी और वहां से भागने लगा.

खेल

भारत की टी20 में सबसे बड़ी हार, अपने दूसरे न्यूनतम स्कोर पर ऑलआउट हुई टीम, इंग्लैंड ने बनाई बढ़त

नॉटिंघम, (एजेंसी) इंग्लैंड ने भारत को तीसरे टी20 मुकाबले में 125 रनों के बड़े अंतर से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारत की इस प्रारूप में रनों के लिहाज से ये सबसे बड़ी हार है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 201 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि टीम के सिर्फ चार बल्लेबाज दहाई अंक तक पहुंच सके, लेकिन कोई भी 13 रन से ज्यादा नहीं बना पाया।

भारत को पहली बार टी20 में 100+ रनों के अंतर से हार मिली है। इससे पहले टीम को इस प्रारूप में रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली थी। 2019 में वेलिंगटन में खेले गए मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को 80 रनों के अंतर से हराया था। इतना ही नहीं, दक्षिण अफ्रीका ने 2026 में टीम इंडिया

को 76 रनों से हराया था। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत अब तक एक भी मैच नहीं जीत सका है। पहले उसे आयरलैंड ने 0-2 से हराया और अब इंग्लैंड ने सीरीज में बढ़त बना ली है। इस सीरीज के दो मैच शेष हैं यानी भारत अब यहां से सीरीज अपने नाम नहीं कर सकता। ऐसे में अब उसकी कोशिश बराबरी करने की होगी। भारत के लिए ब्रिटेन दौरा बेहद निराशाजनक रहा है। टीम पहली बार टी20 में लगातार पांच मैचों से जीत नहीं दर्ज कर सकी है। टीम को चार हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था। इससे पहले जून से दिसंबर 2009 तक और जुलाई 2021 से अक्तूबर 2021 तक टी20 में लगातार चार हार का सामना करना पड़ा था। श्रेयस की कप्तानी में भारत लगातार चार मैच हार चुका है। इंग्लैंड के साथ उसका पहला मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। दोनों टीमों के बीच अब चौथा मुकाबला गुरुवार को ब्रिस्टल में खेला जाएगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक शुरुआत दिलाने की कोशिश की, लेकिन जैसे ही पहला झटका लगा, भारत की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढेर होती चली गई। भारत के लिए इस मैच में सबसे ज्यादा रन वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन ने बनाए। दोनों बल्लेबाजों के बल्ले से 13-13 रन निकले। वहीं, सात बल्लेबाज सिंगल डिजिट स्कोर ही बना सके। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर को तीन विकेट मिले। आदिल राशिद ने दो और विल जैक्स ने एक विकेट लिया।

इससे पहले फिल सॉल्ट के अर्धशतक की मदद से इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 202 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड के लिए सॉल्ट ने सबसे ज्यादा 44 गेंदों पर सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 70 रन बनाए।

सिनेमा

सतलुज बैन पर भड़कीं गुल पनाग, जसबीर जस्सी ने उठाए सवाल, बोले- सच पर रोक क्यों?

दिलजीत दोसांझ स्टारर फिल्म 'सतलुज' (पहले Punjab 95) को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है. जी5 पर रिलीज होने के 48 घंटे के भीतर फिल्म को हटाए जाने के बाद अब इस मामले पर कई कलाकार खुलकर अपनी राय रख रहे हैं. पहले एक्ट्रेस गुल पनाग ने फिल्म हटाने पर सवाल उठाए, वहीं अब पंजाबी सिंगर जसबीर जस्सी भी दिलजीत दोसांझ और डायरेक्टर हनी त्रेहान के समर्थन में सामने आए हैं. गुल पनाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लंबा पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि भारत को अपने इतिहास के कठिन दौर से डरने की जरूरत नहीं है. उन्होंने कहा कि फिल्मों पर बहस हो सकती है, उनकी आलोचना भी हो सकती है, लेकिन उन्हें बैन करना कभी समाधान नहीं होता. गुल ने बताया कि उन्होंने पंजाब में आतंकवाद के दौर को करीब से देखा है. उन्होंने बसों से लोगों को उतारकर मारने की घटनाएं भी सुनीं और ऐसे युवाओं की कहानियां भी देखीं, जिन्हें बिना किसी जुर्म के हिरासत में लेकर प्रताड़ित किया गया. उनका कहना है कि यही अनुभव उन्हें ये मानने पर मजबूर करते हैं कि इतिहास के कठिन अध्यायों पर बनी कहानियां लोगों तक पहुंचनी चाहिए. उन्होंने लिखा कि- फिल्म कोई इतिहास की किताब नहीं होती. वो सिर्फ एक नजरिया दिखाती है. उससे असहमत हो सकते हैं, बहस कर सकते हैं, लेकिन उसे बैन करना गलत है. गुल पनाग ने ये भी कहा कि पंजाब ने अलगाववाद को बड़ी मुश्किल से पीछे छोड़ा है और ये मान लेना कि एक फिल्म उस सोच को वापस ले आएगी, पंजाब की ताकत को कम आंकना होगा.

Highlights

1. Bengaluru woman alleges poor support from Rapido after crash
2. YouTuber held over alleged defamatory video on DCM Parameshwara
3. Who is Ram Mandir trust's gen secy, Krishna Mohan, & what's his link to theft probe?
4. India signs ₹17-crore lobbying deal with Trump's ex-spokesman's firm
5. Lonavala hill station near Mumbai receives 1290 mm rainfall in last 48 hrs
6. India to export Astra air-to-air missiles to Indonesia: Report
7. Govt shares 'yeh dil maange more' post for Kargil martyr Captain Vikram Batra
8. In rare move, Environment Minister Bhupender's 3 top aides removed in single day
9. Jeweller, wife and son die by alleged suicide in Karnataka

Meta unveils Muse media generation models, and signals shift to proprietary AI

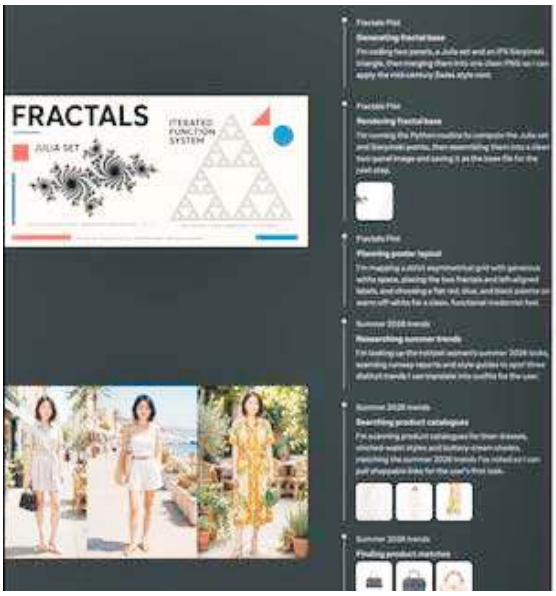

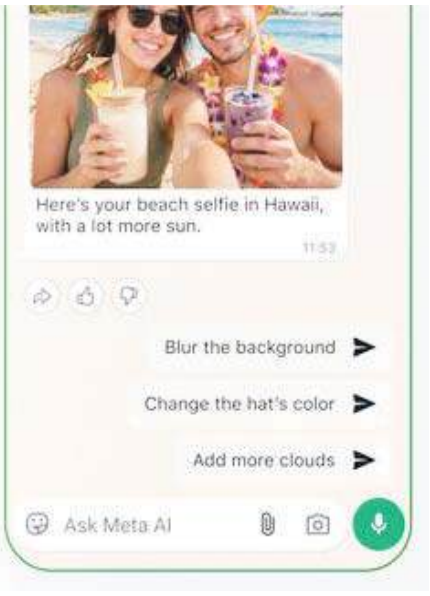

NEW DELHI, (Agency). Meta's heavy investments towards creating the Superintelligence Labs, has finally borne a public release fruit. The tech company has released its first media generation models, called Muse Image and Muse Video, which is in the preview stage. Meta's Muse Image and Muse Video models compete directly with top commercial and open-source creative artificial intelligence (AI) suites, including those from OpenAI, Google, and Adobe. Meta is of course looking at deep integration across its social media apps.

This roll-out marks a pivotal moment for Mark Zuckerberg's ambitious AI roadmap, underlined by billions of dollars in investments over the previous year, and in a way signals what is potentially a significant forward step for Meta's AI models. Despite setting a groundwork with its open-source Llama models, Meta has consistently found itself trailing frontier capabilities of rivals including Google, OpenAI, and Anthropic.

The Muse model family, which also has the Muse Spark large language model that was released earlier this year, is expected to eventually replace the open-weight Llama models. This marks Meta's pivot towards proprietary AI models.

Meta says the Muse Image model uses advanced reasoning to understand complex prompts, and can blend multiple photos into shareable generations. "We provide Muse Image with access to tools to enhance its agentic capabilities. During reinforcement learning, Muse Image learns to write and execute code that produces accurate plots and QR codes, and condition on rendered figures to improve the accuracy of generated images," the company says.

Muse Image can search the web for grounding generated images with real-time information and visual references depending on the prompt, and has a self-refining behaviour which is expected to help improve work. Interestingly, Meta says, "we didn't design this behaviour. Instead, it emerged during RL training simply because self-refinement produced better images and therefore higher reward." RL training refers to reinforcement learning training, part of building an AI model.

Meta's Muse Image can edit images such as restoring details, cleaning up effects such as fog in a photo, changing patterns in a specific element in a photo, edit images with text, and compose elements from more than one reference image.

Meta talks about the benchmark test results, which place this in the same ballpark (though scores lesser) with OpenAI's GPT Image 2 model, but ahead of Google's Nano Banana 2 and xAI's Grok Imagine Quality.

शादी के नाम पर किसान से 6 लाख की ठगी

जिला कोर्ट में रुपए लेकर दुल्हन और दलाल फरार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जिला कोर्ट में एक सप्ताह पहले शादी कराने के नाम पर एक किसान से 6 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने दुल्हन की मां के इलाज के नाम पर किसान के सामने 6 लाख रुपए की शर्त रखी।

जब परिवार रुपए लेकर जिला कोर्ट पहुंचा तो वहां नोटरी पर विवाह अनुबंध कराया गया। इसके बाद दुल्हन और दलाल महिला 6 लाख रुपए लेकर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है। एमजी रोड पुलिस ने किसान हरिनारायण की शिकायत पर दुल्हन नंदनी यादव, हसीना बाई, गीता बाई, सुमन, रवि और अन्य आरोपियों के खिलाफ शादी के नाम पर 6 लाख रुपए की ठगी का मामला दर्ज किया है। हरिनारायण ने पुलिस को बताया कि उनकी शादी वर्ष 2007 में ताराबाई से हुई थी। वैवाहिक संबंध ठीक नहीं रहने के कारण दोनों अलग हो गए। इसके बाद उनके भाई मोहन ने हसीना बाई निवासी कालकूट, बड़वाह से शादी के लिए लड़की तलाशने की बात कही। हसीना ने गीता नाम की महिला से संपर्क किया। गीता ने बताया कि लड़की अरबिंदो क्षेत्र में रहती है। उसके पिता का निधन हो चुका है और परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। उसकी मां सुमन गंभीर रूप से बीमार है, जिसके इलाज के लिए 6 लाख रुपए की जरूरत है। इसके बाद हसीना ने मोहन के मोबाइल पर नंदनी का फोटो भेज दिया। इसके बाद मोहन और हरिनारायण ने शादी के लिए सहमति दे दी और 6 लाख रुपए की व्यवस्था कर ली। 30 जून को जिला कोर्ट में शादी कराने का निर्णय हुआ। तय समय पर मोहन गांव के सरपंच और अन्य लोगों के साथ जिला कोर्ट पहुंचे। वहां नंदनी, उसकी मां सुमन, हसीना बाई, रवि तथा अन्य लोग पहले से मौजूद थे। सभी की मौजूदगी में विवाह अनुबंध तैयार कराया गया। इसके बाद मोहन ने हसीना बाई को 6 लाख रुपए दिए, जिन्हें उसने गीता को सौंप दिया। इसके बाद सभी लोग तुकोगंज स्थित राम मंदिर पहुंचे, जहां शादी की रस्में पूरी की गईं। शादी के बाद हरिनारायण नंदनी को अपने घर ले गए, लेकिन अगले ही दिन सुबह वह घर से गायब हो गई। इसके बाद हरिनारायण ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत की। जांच के बाद मामला एमजी रोड थाने भेजा गया। सोमवार को पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ ठगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

होटल कर्मचारी ने फांसी लगाकर दी जान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र स्थित एक होटल में काम करने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना सोमवार-मंगलवार दरमियानी रात करीब 2:30 बजे की है। होटल के अन्य कर्मचारियों ने युवक को कमरे में फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। लसूडिया पुलिस के अनुसार घटना खालसा चौक स्थित ड्रीम पैलेस होटल की है। मृतक की पहचान सोनू पुत्र सरदार बंजारा के रूप में हुई है, जो मूल रूप से सिवनी जिले का रहने वाला था।

होटल कर्मचारियों ने बताया कि देर रात कुछ ग्राहक होटल पहुंचे और काफी देर तक रिसेप्शन पर आवाज लगाते रहे, लेकिन सोनू बाहर नहीं आया। इसके बाद दूसरा कर्मचारी उसे तलाशते हुए स्टाफ के कमरे तक पहुंचा, जहां वह फंदे पर लटका मिला। घटना के बाद होटल के सीसीटीवी फुटेज देखे गए। इनमें सोनू मोबाइल पर बात करते हुए अपने कमरे की ओर जाता दिखाई दिया। इसके बाद वह बाहर नहीं निकला। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है और कॉल डिटेल की जांच की जा रही है। साथ ही परिजनों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। होटल प्रबंधन के अनुसार सोनू करीब एक महीने पहले काम की तलाश में होटल पहुंचा था। नियुक्ति के दौरान उसका आधार कार्ड लिया गया था, लेकिन इससे पहले वह कहां काम करता था, इसकी जानकारी होटल स्टाफ को नहीं है। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

● युवक की संदिग्ध मौत

मल्हारगंज थाना क्षेत्र के इंद्रा नगर निवासी सनोज पुत्र रामदास की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन उसे मृत अवस्था में एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

चाकूबाजी में घायल युवक की 12वें दिन मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र के तंजीम नगर में 25 जून को हुई चाकूबाजी की घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। मौत के बाद पुलिस अब आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास की जगह हत्या की धारा जोड़कर कार्रवाई करेगी। खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि चाकूबाजी में घायल शानू उर्फ शहनवाज ठेकेदार का मंगलवार को बॉम्बे अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। घटना के बाद पुलिस ने 26 जून को मुख्य आरोपी आरिफ बरकाती को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में है। टीआई ने बताया कि पहले आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था, लेकिन अब घायल की मौत के बाद प्रकरण में हत्या की धारा जोड़कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के अनुसार शानू ठेकेदार और आरिफ बरकाती के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर आरिफ घर से छुरा लेकर आया और शानू पर लगातार तीन से अधिक वार कर दिए। हमले में शानू के पेट में गंभीर चोटें आई थीं, जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक